>

Title: Regarding instigating demonstrators protesting against violence in Assam at Azad Maidan, Mumbai.

MADAM SPEAKER: Now, we shall take up 'Zero Hour'. Shri Anant Geete. Please be very brief.

श्री अनंत गंगाराम गीते (रायगढ़): अध्यक्ष महोदया, शनिवार को मुम्बई में रजा एकेडमी और आवामी विकास पार्टी, इन दो मुस्लिम संगठनों की ओर से कोकराझार के दंगे को लेकर मुम्बई में दंगा किया गया। यह दंगा एक बहुत ही गम्भीर मामला है। वहां जो दंगा करने वाले थे, उन्होंने सीधे पुलिस पर अटैक किया, पुलिस वैन जलाई गई, मीडिया पर अटैक किया, उनकी वैन भी जलाई गई। इसके साथ-साथ जो बैस्ट की बसेज हैं, उन्हें भी जला दिया गया, तोड़ दिया गया। उन्होंने वहां जो दंगा किया, यह बहुत ही गम्भीर मामला है। यह केवल मुम्बई तक सीमित नहीं है, इसके दुष्परिणाम सारे देश में हो सकते हैं। जिन संगठनों ने यह दंगा किया है, वे चाहते हैं कि देश भर में दंगे हों, इसलिए यह मामला बहुत गम्भीर है। राज्य की सरकार वहां के दंगाइयों को काबू करने में, उन्हें रोकने में पूरी तरह विफल रही है। सरकार दंगे को रोक नहीं पाई। आज तीन दिन हो चुके हैं, लेकिन वहां की राज्य सरकार ही नहीं, बल्कि इस दंगे के बारे में भारत सरकार की ओर से भी कोई बयान नहीं दिया गया। जब कि सत्र चल रहा है, सदन चल रहा है। मुम्बई में इतना बड़ा दंगा हुआ है। मुम्बई हमारी आर्थिक राजधानी है, मुम्बई में जो भी होता है, उसके परिणाम सारे देश में होते हैं। ऐसी स्थिति में भारत सरकार की ओर से स्वयं गृह मंत्री को यहां बयान देने की आवश्यकता थी। लेकिन आज तक भारत सरकार की ओर से इस सदन में कोई बयान नहीं दिया गया। वे लोग केवल पुलिस पर हमला करके ही नहीं रुके, बल्कि वहां जो महिला पुलिस कर्मचारी थीं, उन्होंने उनके साथ भी छेड़छाड़ की। वहां स्वतंत्रता ज्योति का जो स्टेच्यू था, उसे ध्वस्त कर दिया गया। एक तरह से पूरी मुम्बई में आज भय का माहौल है। ऐसी स्थिति में भारत सरकार को इस मामले में दखल देने की आवश्यकता है तथा जो वास्तविकता है, उस पर भारत सरकार को सदन में बयान देने की आवश्यकता है।

महोदया, महाराष्ट्र के मुख्य मंत्री जी का एक बयान आया है, उसमें उन्होंने आशंका जताई है कि इसमें शायद कुछ विदेशी ताकतों का हाथ हो सकता है। आज पुलिस की ओर से यह बयान आने लगा है कि इसके पीछे अंडरवर्ल्ड है। यदि इसमें अंडरवर्ल्ड शामिल है तो हमारी महाराष्ट्र की पुलिस और सरकार क्या कर रही है। मुम्बई के आजाद मैदान में पचास हजार दंगाई जुटे, जिन्होंने वहां दंगा किया। इतनी बड़ी संख्या में उन्हें वहां जुटने की इजाजत किसने दी, परमीशन किसने दी। क्या हमारी आईबी को इसके बारे में पहले से जानकारी थी या नहीं थी। अब पुलिस की ओर से यह बयान आ रहा है कि वहां जो दंगाई आये थे, वे अपने साथ में पत्थर लाये थे, वे साथ में पेट्रोल लाये थे, वे साथ में हाकी स्टिक्स, क्रिकेट के बैट्स आदि चीजें लाये थे। जब इतने प्रीप्लान्ड और वैलप्लान्ड वे में यदि पचास हजार की संख्या में दंगाई मुम्बई में दंगा करते हैं और हमारी सरकार को उसकी कोई जानकारी न हो, आईबी को कोई जानकारी न हो तो यह मामला बहुत गम्भीर है। मुझे आश्चर्य होता है कि जो मुम्बई का प्रतिनिधित्व करने वाले सांसद हैं, वहां मुम्बई जल रही थी, मुम्बई को जलाया गया, लेकिन मुम्बई का एक भी सांसद उसके खिलाफ सदन में बोल नहीं रहा है, यह बड़े अफसोस की बात है। मुम्बई के लोक प्रतिनिधि क्या कर रहे हैं। महाराष्ट्र की सरकार पूरी तरह से असफल है। भारत सरकार हाथ पर धरे हुए खामोश बैठी हुई है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आपकी बात पूरी हो गई है, अब आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्री अनंत गंगाराम गीते: गृह मंत्री दिल्ली में हैं। ...(व्यवधान) गृह मंत्री की ओर से बयान आने की आवश्यकता है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : ठीक है, आपकी बात पूरी हो गई है, अब आप बैठ जाइए। यह कोई बात नहीं है।

â€¦(व्यवधान)

श्री अनंत गंगाराम गीते: अध्याक्षा जी, सरकार को इस पर बयान देने की आवश्यकता है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्री अनंत गंगाराम गीते: गृह मंत्री को इस पर बयान देने की आवश्यकता है।...(व्यवधान) जिन दंगाखोरों ने मुंबई में दंगा किया है ...(व्यवधान) उनके खिलाफ सख्त से सख्त, कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। ...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Please sit down. Nothing else will go in record.

(Interruptions)

MADAM SPEAKER:

Shri Shivkumar Udasi,

Shri Rajendra Agarwal,

Shri Devji M. Patel,

Dr. Sanjay Jaiswal,

Shri Virendra Kumar and

Shri Ramesh Vishwanath Katti may be allowed to associate themselves with the matter raised by Shri Anant Gangaram Geete.

श्री संजय निरुपम (मुम्बई उत्तर): मैडम, पिछले शनिवार को मुंबई में जो हिंसा भड़की, वह शर्मनाक भी है और दर्दनाक भी है। विरोध प्रदर्शन के नाम पर रज़ा अकैडमी ने मुंबई पुलिस से परमिशन मांगी थी। परमिशन मांगना कोई गुनाह नहीं है। विरोध प्रदर्शन करना भी कोई गुनाह नहीं है। हमारे देश में एक परंपरा रही है कि अगर पाकिस्तान में हिंदू समाज पर हमला होता है तो हमारा दिल कहीं न कहीं आहत होता है और हम उसके खिलाफ़ विरोध प्रदर्शन करते हैं। शांति पूर्वक अपनी भाषा में, अपने शब्दों में, सभ्यता के साथ अपनी बात रखते हैं। अगर अमेरिका में सिखों पर हमला होता है तो उस पर भी हमारी भावनाएं भड़कती हैं और हम अपनी बात रखते हैं। बिल्कुल उसी तरीके से कोकराझार में ...(व्यवधान) मैं कहां आपके खिलाफ़ हूँ? ...(व्यवधान) मैं कहां आपके खिलाफ हूँ? ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप अपनी बात बोलिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री संजय निरुपम: बिल्कुल उसी तरह से कोकराझार में और मयंमार में मुस्लिम समाज पर जो हमला हुआ। ...(व्यवधान) उसके प्रति क्रोध प्रकट करने के लिए ...(व्यवधान) शांतिपूर्वक विरोध प्रदर्शन का आयोजन आज़ाद मैदान में किया गया था। आम तौर पर रज़ा अकैडमी इस प्रकार के आयोजन करती रहती है। रज़ा अकैडमी के बार में जितनी जानकारी मुझे है ...(व्यवधान) और पुलिस के पास जितनी जानकारी है ...(व्यवधान) एक-डेढ़ हज़ार से ज्यादा लोग जमा नहीं होते हैं। ...(व्यवधान) उन्होंने खुद भी कहा था एक-डेढ़ हज़ार लोग आज़ाद मैदान पर आएंगे। फिर अचानक, पूरी सभा हुई, शांतिपूर्वक पूरी सभा संपन्न हुई। कई पॉलिटिकल पार्टियों के लीडर भी गए थे। हमारी सरकार एक-दो मंत्री भी वहां पर गए थे। रज़ा अकैडमी के अध्यक्षों ने ...(व्यवधान) सभी ने अपनी-अपनी बात कही। ...(व्यवधान) शांतिपूर्वक अपनी बात कही ...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Please sit down. Nothing else will go in record.

(Interruptions) *

श्री संजय निरुपम: शांतिपूर्वक सभा खत्म होने के बाद, जब लोग जा रहे थे, तब हिंसा भड़की है। निश्चित तौर पर यह एक बहुत बड़ी साजिश का हिस्सा है। खुद रज़ा अकैडमी का बयान है। रज़ा अकैडमी के प्रमुख सईद नूरी, मोईन मिंया, उन लोगों का खुद यह बयान आ रहा है कि हमें नहीं मालूम कि ये कौन से लोग थे। मेरी पहली मांग है कि ऐसे जो भी लोग थे, वे समाज विरोधी लोग थे, ऐसे लोगों के खिलाफ़ कार्रवाई होनी चाहिए। मैं बहुत खुशी के साथ अपनी बात रख रहा हूँ कि महाराष्ट्र सरकार ने तत्काल जांच का आदेश दिया। क्राइम ब्रांच जांच कर रही है और जो भी गुनहगार होंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी, उनको बख्शा नहीं जाएगा क्योंकि मामला सिर्फ दंगे का नहीं है। मीडिया की वैनों पर हमले किए गए, पुलिस की गाड़ियों पर हमले किए गए, लगभग 44 पुलिस वाले घायल हुए हैं। ...(व्यवधान) उसके बाद जिस प्रकार से हमारे शहीद स्मारक को तोड़ा गया है, वह सिर्फ दंगा या हिंसा नहीं, कहीं न कहीं राष्ट्र की भावना के साथ खिलवाड़ किया गया है। ऐसे लोगों को बख्शा नहीं जाना चाहिए। लेकिन इस पूरे प्रकरण में, पूरी कार्रवाई में कहीं ऐसा न हो कि पुलिस बेगुनाहों के खिलाफ काम करना शुरू कर दे। ...(व्यवधान) मुझे एक ऐसी जानकारी मिली ...(व्यवधान) एक ऐसी जानकारी आ रही है कि शायद कुर्ला की कोई संस्था थी। उस संस्था के लोगों ने इस प्रकार की तोड़-फोड़ में हिस्सा लिया है। अगर कोई संस्था है, ऐसे लोग हैं, तो उनके खिलाफ़ सख्त कार्रवाई कीजिए। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि कुर्ला का हर मुसलमान दंगाई माना जाएगा। इसका मतलब यह नहीं है कि मुंबई के हर मुसलमान के खिलाफ़ आप कार्रवाई करेंगे। कहीं न कहीं इस पूरे प्रकरण को संवेदनशीलता के साथ हैंडल करने की आवश्यकता है। क्योंकि जो दंगाई थे, वे यही चाहते थे कि पहले मुंबई में दंगा भड़के। उस दंगे का असर पूरे देश में जाए। उसके बाद बेगुनाह मारा जाए। बेगुनाह मुसलमान मारा जाएगा। बेगुनाह हिंदू मारा जाएगा और देश का नुकसान होगा। उन दंगाइओं की साजिश से बचने के लिए हमें भी संयम बरतना चाहिए। शासन को भी संयम बरतना चाहिए और सामना अखबार को भी संयम बरतने की आवश्यकता है। ...(व्यवधान) सामना में जिस प्रकार से आग उगलने वाले संपादकीय लिखे जा रहे हैं ...(व्यवधान) उससे और कुछ नहीं होगा ...(व्यवधान) मुंबई का सामाजिक ताना-बाना खराब होगा। जिस प्रकार से भड़काऊ बयान शिवसेना के नेताओं की तरफ से आ रहे हैं ...(व्यवधान) उससे और कुछ नहीं होगा ...(व्यवधान) मुंबई का वातावरण दूषित होगा ...(व्यवधान) यह हम सब की जवाबदारी है कि मुंबई को बचाया जाए। ...(व्यवधान) देश को बचाया जाए। ...(व्यवधान) और पूरे प्रकरण को दंगे में कंवर्ट न होने दिया जाए। ...(व्यवधान) मेरा ऐसा आग्रह है। ...(व्यवधान) मैं भी चाहूंगा कि जितना जल्दी हो ...(व्यवधान) हमारे आदरणीय गृह मंत्री इस पूरे प्रकरण पर सदन में आ कर बयान दें ...(व्यवधान) और पूरे देश को बताएं कि कौन से लोग थे। ...(व्यवधान) उनके खिलाफ़ क्या-क्या कार्रवाई की जा रही है? ...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER:

Shri P.L. Punia,

Shri Suresh Kanshinath Taware may be allowed to associate himself with the matter raised by Shri Sanjay Nirupam.

संसदीय कार्य मंत्री तथा जल संसाधन मंत्री (श्री पवन कुमार बंसल): माननीय गृह मंत्री जी इस वक्त राज्य सभा में हैं। एक और विषय जो पहले वहां सूचित हुआ हुआ है, उसके लिए वे राज्य सभा में उपस्थित हैं। मैं उनसे इस बात का जिक्र करूंगा और आपसे इजाजत लेकर वे अगले कुछ दिनों में इस बात पर अपना जवाब देंगे।...(व्यवधान)